अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

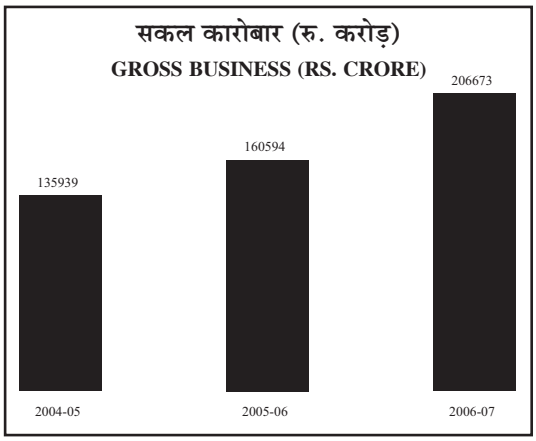
प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के निदेशक मंडल की रिपोर्ट आपको प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है ।

हाल ही में गुजरे वर्ष में आपके बैंक ने अपने उद्देश्यपूर्ण अस्तित्व के 100 वर्ष 7 सितंबर, 2006 को पूरे करते हुए एक वांछनीय ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। शताब्दी समारोहों का समापन समारोह गौरवपूर्ण ढ़ंग से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 25 अगस्त, 2006 को मनाया गया । भारत के महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम मुख्य अतिथि थे। समारोह में माननीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदंबरम एवं माननीय वित्त राज्यमंत्री श्री पी.के. बंसल की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। इस अवसर पर बैंक के 100 वर्षों के उद्देश्यपूर्ण अस्तित्व को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। भारत के महामहिम राष्ट्रपति ने "अभय" का शुभारंभ किया जो बैंक द्वारा बनाया गया एक ट्रस्ट है जिसके तत्वावधान में ऋण परामर्शी सेवाएँ दी जाएंगी । भारत में यह अपनी ही तरह की पहली शुरुआत है। यह ग्राहक का ध्यान रखने वाली अनोखी योजना है। कार्यक्रम में अच्छी उपस्थिति आधार स्तर पर देशभर में बैंक के लिए " अच्छी भावना" को दर्शाती है। इससे हमें सभी निवेशकों के प्रति स्वयं को और समर्पित करने में मदद मिली। ऐसे यादगार अवसर कुछ ही संगठनों के जीवनकाल में आ पाते हैं ।

आपके बैंक में यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रबंधन की विवेकपूर्ण नीतियों, कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और इससे भी कहीं ज्यादा उन मजबूत रिश्तों से संभव हुई जो आपके बैंक के साथ सभी निवेशकों के हैं। ग्राहकों द्वारा दिए गए प्रचुर संरक्षण ने वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य में बैंक को वर्तमान प्राधान्य स्थिति में पहुँचाया है। इस तथ्य को अपने मन में रखते हुए जब हमने द्वितीय शताब्दी में पदार्पण किया तो हमने ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए और **"रिश्तों की जमापूँजी"** के मूल तत्व का पालन करने हेतु स्वयं को पुन: समर्पित किया।

मजबूत मेक्रो इकॉनॉमिक तत्वों पर सवार भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2006-07 में अपनी प्रगति यात्रा जारी रखी। इसे सेवा क्षेत्र में वृद्धि और औद्योगिक क्षेत्र में बेहतर कार्यनिष्पादन ने और गति प्रदान की। भारत निवेश के लिए प्राथमिकता वाला केन्द्र बना रहा और इसलिए वर्ष भर पूँजी एवं विदेशी निवेश का प्रवाह उल्लासपूर्ण बना रहा। देश में बुनियादी संरचना का क्षेत्र प्राथमिकता वाला बना रहा और हाल ही के पिछले समय में इस पर ध्यान केन्द्रित करने से इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में देश ने बड़ी प्रगति की है। तथापि उल्लासपूर्ण अर्थव्यवस्था पर केवल मुद्रास्फीति ने कुछ विसंगत प्रभाव डाला।



सुदृढ़ भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा उत्पन्न अवसरों का लाभ आपके बैंक द्वारा पूर्ण रूप से उठाया गया। बैंक के व्यवसाय में 29% की वृद्धि हुई और यह रु. 160594 करोड़ से बढ़कर रु. 206673 करोड़ हो गया। कार्पोरेट, खुदरा एवं मूलभूत आवश्यक सुविधा के क्षेत्रों में मजबूत ऋण मांग के कारण अग्रिमों में वृद्धि की गति जमावृद्धि से अधिक रही । वैश्विक सकल अग्रिम 30% बढ़कर रु. 86791 करोड़ हो गए । वैश्विक जमाराशियाँ 28% से बढ़कर रु. 119882 करोड़ हो गई । लाभ में 60% की वृद्धि हुई और मार्च, 2006 के रु. 701 करोड़ से बढ़कर यह मार्च, 2007 में रु. 1123 करोड़ हो गया । यह बैंक का अब तक का सर्वाधिक लाभ है ।

तुलनपत्र के आँकड़े संगठन की मजबूती को प्रदर्शित करते हैं परन्तु उनसे पूरी तस्वीर हमेशा स्पष्ट नहीं होती है क्योंकि ऐसे कई अप्रकट तथ्य होते हैं जो आँकड़ों में प्रतिबिम्बित नहीं हैं । बीते समय में आपके बैंक ने स्वयं को प्रतिस्पर्धी बनाने और सतत परिवर्तनशील

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

I have great pleasure in presenting before you the report of the Board of Directors of your Bank for the year ended 31st March, 2007.

In the year just gone-by, your Bank crossed an enviable milestone of 100 years of its purposeful existence on 7th September 2006. The grand finale of the celebrations took place in a glittering ceremony at Vigyan Bhavan, New Delhi on August 25, 2006. His Excellency Dr. APJ Abdul Kalam, President of India was the Chief Guest. Hon'ble Finance Minister, Shri P. Chidambaram and Shri P. K. Bansal, Hon'ble Union Minister of State for Finance also graced the occasion. A treatise on the bank covering 100 years of purposeful existence was released on the occasion. Hon'ble President of India also launched 'ABHAY', a trust formed by the bank under the aegis of which Credit Counseling Services will be offered. It was the first such initiative by a bank in India - a unique programme in customer care. The well attended function underscored the groundswell of 'good feeling' for the bank all over the country. It helped us to rededicate ourselves for furthering the cause of all stakeholders. Such a momentous occasion comes in the life of very few organizations.

This landmark journey was made possible in your Bank through the prudent polices of Management, commitment of the employees and above all strong relationships, which all the stakeholders have with your Bank. The unstinted patronage extended by the customers has taken the Bank to its present predominant position in the Indian Banking Scenario. Keeping this in mind, this year when we embark on our journey in the second centenary, we rededicate ourselves to further strengthening the bond with the customers and adhering to the theme **'Relationships beyond Banking'.**

Riding on strong macro economic fundamentals, Indian Economy continued to be on the upswing in the financial year 2006-07. This was fuelled by sustained growth in services sector and improved performance in industrial sector. India continued to retain its flavour as preferred investment destination and therefore capital and foreign investment inflows remained buoyant throughout the year. Infrastructure continues to be the priority area for the country and the focused attention it has got in the recent past has seen the country making great strides on this important front. Inflationary pressures however created the only discordant note in the otherwise buoyant economy.

The opportunities thrown open by the robust Indian Economy were fully exploited by your Bank. Total business of the Bank grew by 29% from Rs. 160594 crore to Rs. 206673 crore. The growth in advances outpaced the growth in deposits due to strong credit demands from corporate, retail and infrastructure segments. Global gross advances grew by 30% to Rs. 86791 crore. Global deposits grew by 28% to reach a level of Rs. 119882 crore. Profit surged by 60% - from Rs. 701 crore in March 2006 to Rs. 1123 crore in March, 2007. This was an all time high profit recorded by your Bank.

Balance Sheet figures signify the strength of the organization buy they always do not reflect the full picture, as there are many latent factors, which do not get mirrored in figures. In the past your Bank has taken

www.reportjunction.com

व्यावसायिक वातावरण में सक्रिय बनाए रखने के लिए कई उपाय किए हैं। पूर्व में किए गए आधारभूत कार्य से हमारे समकक्ष बैंकों के मध्य हमें कई लाभ हुए हैं। यह गौरव की बात हैं कि आज आपके बैंक ने उत्पाद, बाजार में प्रभावशीलता, संपर्की प्रबंधन के लिए कई नई पहलें की हैं और इन सबसे बढ़कर प्रतियोगिता का सामना करने की प्रवृति बनी हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम और सामर्थ्यवान बन रहे हैं जिसका प्रतिबिम्ब आने वाले वर्षों में दिखाई देगा।

कीमत-लागत अंतर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बैंक ने निधि की लागत कम करने के लिए कम लागत की जमाराशियों को जोरदार ढंग से जुटाना एवं "खुदरा" तथा "एसएमई" ऋण पर ध्यान केन्द्रित कर अग्रिमों पर प्रतिफल में वृद्धि के अपने दोहरे दृष्टिकोण को जारी रखा। आज हमारी कम लागत की जमाराशि, कुल जमाराशि का 40% है और मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि लम्बे अंतराल के पश्चात आपका बैंक अपनी चालू जमाराशियों के संविभाग में वृद्धि करने में समर्थ हुआ है । यद्यपि, इस वर्ष हमने देखा है कि ब्याज दरें तेज गति से उत्तर दिशा में बढ़ी हैं, परिणामत: और अधिक कम लागत की जमाराशि जुटाने के हमारे सचेतन प्रयासों से हमारी जमाराशि की लागत केवल 26 बीपीएस से बढ़कर 4.31% हुई है।

1000 सशक्त बिक्री दलों के समर्थन और 22 विशेषीकृत " खुदरा हब " के नेटवर्क के माध्यम से बैंक ने वैयक्तिक ऋण उत्पादों का जोरदार ढंग से विपणन किया है । उत्पाद डिजाइन में निरंतर संशोधन, लाभ अर्जन करने की अवधि का कठोरतापूर्वक पालन एवं सर्वोपरि ग्राहको को अंतत: सुविधा देने के लिए उनके द्वार पर जाने की कार्यनीति से हमारा खुदरा ऋण तेजी से 35% बढ़कर 17427 करोड़ हुआ है। एसएमई के मोर्चे पर इसी प्रकार की कार्रवाई से, कारोबार बैंकिंग बिक्री दलों, क्लस्टर आधारित योजनाओं एवं त्वरित स्वीकृति हेतु एसएमई कक्षों के समर्थन द्वारा, 22% की ठोस वृद्धि संभव हुई है। इन पहलों के कारण हमें अग्रिमों पर 94 बीपीएस का बेहतर प्रतिफल एवं 3.20% की उच्चतम निवल ब्याज मार्जिन प्राप्त हो सकी है।

कृषि के साथ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र आपके बैंक का वित्तीयन के लिए हमेशा ही अधिमान्य क्षेत्र रहा है। यह अधिमान्यता हमारे इस विश्वास से उपजी है कि इन सेक्टरों में वित्तीयन करना ठोस कारोबार आधार है । कुछ अर्थशास्त्री एवं बाजार विशेषज्ञों ने अब पिरैमिड की तलहटी में संपत्ति की खोज की है जबकि आपका बैंक पहले से ही ऐसा कर रहा है और इसलिए हमारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र आधार समायोजित निवल बैंक ऋण के 45% है और हमारे रु. 11289 करोड़ के कृषि अग्रिम समायोजित निवल बैंक ऋण के 18.51% है - दोनों भी लक्ष्य से काफी अधिक है।

अनर्जक आस्तियाँ, यद्यपि एक कारोबार अवरोध है जो लाभकारिता सोख लेती हैं और अत: इसकी सतत जाँच की जाती है। मैं आपको सहर्ष सूचित करता हूँ कि हमने अपने एनपीए संविभाग का प्रबंध काफी अच्छे ढंग से किया है और आस्तियों की गुणवत्ता में परिणामत: सुधार हुआ है। सभी उपलब्ध उपायों की सहायता से जैसे कठोर ऋण अनुप्रवर्तन, खातों का प्रोन्नयन, समझौते, क्षत विक्षत आस्तियों का निपटान, नकद वसूलियाँ और एसएआरएफएईएसआई अधिनियम के अंतर्गत प्रवर्तन से हमें सकल एनपीए को मार्च, 2006 के 3.72% से 2.42% तक लाने में सहायता प्राप्त हुई है और निवल एनपीए मार्च 2006 के 1.49 से घटकर 0.74% हो गया। हमारा प्रावधान कवरेज अनुपात जो 31.03.2005 को करीब 50% था, अब 70% के करीब पहुँच गया है। हमने परिश्रमपूर्वक इस सफलता को प्राप्त किया है, हम अब इस स्थिति में और सुधार करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

आज प्रौद्योगिकी कारोबार का प्रमुख प्रेरक है। यह केवल सुविधाकार के रूप में कार्य नहीं करता है बल्कि उत्पादकता बढ़ाता है और संव्यवहार लागत को कम करता है। यथा मार्च, 2007 तक, 1044 शाखाएं, जिनमें बैंक का 85% कारोबार होता है, कोर बैंकिंग सोल्यूशन के अंतर्गत आ चुकी हैं और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक और 500 शाखाएं इसमें शामिल करने की योजना है। विदेशी कारोबार संव्यवहार अलग नेटवर्क से जुड़ा है जिसका हब सिंगापुर में है। बैंक के डाटा सेंटर को प्रतिष्ठित आइएसओ 27001:2005 प्रमाणपत्र सूचना प्रौद्योगिकी हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होने के फलस्वरुप प्राप्त हुआ है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपका बैंक सरकारी क्षेत्र के बैंकों के बीच पहला ऐसा बैंक है जिसने यह श्रेष्ठता प्राप्त की है ।

many steps to make itself competitive and alive to the ever-changing business environment. The groundwork done in the past has endowed us with many advantages amongst our peers. Today your Bank boasts of many new initiatives in product offerings, market penetration, relationship management and image building and above all an attitude of taking the competition head on. As we continue to walk the talk, we are growing from strength to strength that will get reflected in the coming years.

In order to improve the spreads, the Bank continued with its two-pronged approach of reducing the cost of funds by aggressively going in for low cost deposits and increasing the yield on advances by focusing on 'Retail' and 'SME' credit. Today our low cost deposits constitute 40% of our total deposits and I am happy to report that after a long hiatus your Bank has been able to increase its Current deposits portfolio. Although this year we witnessed interest rates moving northwards in an accelerated pace, our conscious efforts towards garnering more low cost deposits saw our cost of deposits increasing by a mere 26 bps to 4.31%.

Supported by a 1000 strong sales force, and a network of 22 specialized 'Retail Hubs', the Bank aggressively marketed personal loan products. With continuous modification in product design, strict adherence to turn around time and above all the stratagem for giving the ultimate convenience to the customers by going to their doorsteps, our retail credit spurted by 35% to 17427 crore. A similar action on SME front, supported by business banking sales force, cluster based schemes and SME cells for faster sanction, facilitated a robust growth of 22%. Due to these initiatives, we could account for an improved yield of 94 bps on advances and higher net interest margin of 3.20%.

Priority Sector including Agriculture has always been a preferred area of financing for your Bank. This preference stems from our belief that financing to these sectors is a sound business proposition. Some economists and marketers are now finding wealth at the bottom of the pyramid, whereas you Bank has always lived with this and that is why our Priority Sector Credit constitutes 45% of adjusted Net Bank Credit and our Agricultural Advances at Rs. 11289 crore constitute 18.51% of adjusted Net Bank Credit - both much above the prescriptions.

Non performing Assets, although a business hazard are a drain on profitability and were therefore under constant scrutiny. I am extremely happy to inform that we have done exceedingly well in managing our NPA portfolio and consequent improvement in asset quality. Exploiting all available avenues like strict credit monitoring, up gradation of accounts, compromise, disposal of impaired assets, cash recoveries and enforcements under SARFAESI Act helped us to reduce our Gross NPAs to 2.42% from 3.72% at March 2006 and Net NPAs to 0.74% from 1.49% at March 2006. Our provision coverage ratio, which was around 50% on 31.3.2005, has now reached about 70%. Having studiously scripted this success, we are now working on further improving this position.

Today technology is the key driver of the business. It not only acts as a facilitator, but also increases productivity and reduces transaction costs. As of March 2007, 1044 branches, covering about 85% business of the Bank, are on Core Banking Solution with plans of adding 500 more branches by the end of this fiscal. Overseas business transactions ride a different network, which has a hub at Singapore. Bank's data center has been awarded the prestigious ISO 27001:2005 certificate for being in conformance with the International Standards for Information Security. You will be glad to know that your Bank is one of the first among public sector banks to achieve this distinction.

www.reportjunction.com

वैकल्पिक वितरण चैनल धीरे-धीरे महत्व प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि वे ग्राहक को काफी सुविधा प्रदान करने के साथ ही प्रदान करने वाले की लागत कम करते हैं । नये उत्पाद जिनमें धनप्रेषण (देशी एवं विदेशी) और कार्पोरेट संव्यवहार के साथ ही साख पत्र शामिल हैं, जारी किये गये हैं। इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन संव्यवहारों का गहन प्रयोग शुरू किया गया है जैसेकि उपभोक्ता बिल भुगतान, हवाई यात्रा बुकिंग, ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग आदि समर्थ की गई है । हमारा इंटरनेट बैंकिंग पोर्टल भी ग्राहकों को उनकी सुविधा के समय व स्थल पर खाता देखने और संव्यवहार करने की सुविधा प्रदान करता है । बैंक के 337 एटीएम हैं, इसके अलावा भागीदारी नेटवर्क के जरिए बैंक के ग्राहकों हेतु 16000 एटीएम की सुविधा उपलब्ध है ।

प्रौद्योगिकी का पूरा सदुपयोग करने के लिए, विविध बैक ऑफिस परिचालनों को केन्द्रीकृत किया गया है । आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि 37 केन्द्रों पर 70% से ज्यादा बैंक ऑफिस कार्यकलापों को आज केन्द्रीकृत किया जा चुका है । इससे उत्पादकता में सुधार हुआ है और परिणामत: स्टाफ-सदस्यों को उन कार्यों से हटाकर ग्राहकोन्मुखी कार्यकलापों में लगाया गया है।

बैंक का जोर निरंतर स्वअन्वेषण पर रहा है। कारोबार के बदलते आयामों ने हमें सीखो, भूलो और फिर नया सीखो के चक्र में रखा है। हमारी कोशिशों में मदद के स्वरूप हमने बोस्टन परामर्शी समूह की सेवाएं ली हैं। उनकी सहायता से हमने पूरे संस्थान में कारोबार प्रक्रिया पुनर्रचना का कार्य शुरू किया है। लगातार सुधार करते रहना अब समय की जरूरत हो गई है। इन पहलों को पूरे देश में सही ढ़ंग से लागू करने के लिए हमारे कुछ अच्छे अधिकारी " कोच " के तौर पर रखे गये हैं जो कार्यान्वयन के प्रयासों पर नज़र रखेंगे और आरंभिक चरण में समर्थन प्रदान करेंगे।

हमारे अंतर्राष्ट्रीय परिचालन लगातार हमारे ताज की शोभा बने रहे हैं । इस वर्ष हमने इंडोनेशिया के एक सूचीकृत बैंक पीटी बैंक स्वदेशी टीबीके में 76% भागीदारी लेने हेतु करार किया है। बीजिंग, चीन में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने और एंटवर्प में एक शाखा शुरू करने के बाद हमारी विदेश स्थित शाखाएं/कार्यालय अब 13 देशों में 25 की संख्या तक पहुँच गए हैं। शेनजेन प्रतिनिधि कार्यालय को पूर्ण शाखा के रूप में समुन्नत किया गया और हम अकेले ऐसे भारतीय बैंक हैं जिसके चीन में दो कार्यालय हैं। बैंक के कुल कारोबार में आपके बैंक के अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों का हिस्सा 20% का है। बैंक अपनी ओवरसीज उपस्थिति बढ़ाने के लिए बहुत उत्सुक है और हमारे पास तनजानिया और कनाडा में सहायक कंपनियाँ खोलने, दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर और ढाका में शाखाएं खोलने और जोहन्सबर्ग, दोहा, तथा दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय खोलने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक का अनुमोदन है ।

बढ़ती स्पर्धा और वैश्वीकरण ने हमारी लाभप्रदता पर भारी दबाव बनाया है क्योंकि हमारा मार्जिन लगातार घटता जा रहा है, ऐसा पहले कभी नहीं था। इसिलए राजस्व अर्जन के नए स्रोतों को तलाशना मुख्य बिन्दु हो गया है। आपके बैंक की वैश्विक ट्रेजरी ने डेरिवेटिव उत्पादों का विपणन शुरू किया है जिसे इसके ग्राहकों और बाजार दोनों ने खूब पसंद किया है। ऋणों का समूहन एक और ऐसा क्षेत्र है जहाँ आपका बैंक इस वर्ष अति उत्साही रहा है। गैर निधि आधारित आय भी तृतीय पक्ष उत्पादों जैसे म्यूचुअल फंडों, बीमा उत्पादों आदि का विपणन कर बढ़ाई जा रही है।

वित्तीय पॉवरहाउस बनने के लिए, अपनी ब्रॉंड वैल्यू का पूर्ण सदुपयोग करते हुए, अपने ग्राहकों से संबंधों को प्रगाढ़ बनाकर हमारा यह प्रयास हैकि सभी तरह की वित्तीय सेवाएं हम एक छत के नीचे ही प्रदान कर सकें । इस लक्ष्य को पाने के लिए, हम जीवन बीमा के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं और जापान की दाई-ईची म्युचुअल लाइफ इन्श्योरेन्स कंपनी (जापान की दूसरी सबसे बड़ी और दुनिया की छठी सबसे बड़ी कंपनी) और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हम एक संयुक्त उपक्रम बना रहे हैं जिसमें क्रमश: 51%, 26%, और 23% की पूँजी भागीदारी है । बैंक ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इन्फ्रास्ट्रक्टर डवलपमेन्ट फाइनेंस कंपनी के साथ ऋण समूहन, अंतराष्ट्रीय कारोबार, नकदी प्रबंधन, चेक वसूली और प्रशिक्षण के लिए रणनीतिक गठबंधन किया है।

Alternative delivery channels are slowly graining importance as they provide great convenience to the customers besides adding to convenience and cutting costs for the provider. New products covering Remittances (domestic and International) and Corporate Transactions including letter of credit have been rolled out. Extensive use of online transactions through internet such as utility bill payment, air ticket booking, online share trading etc. have been enabled. Our internet banking portal also allows the customers to view and transact business at the place and time of their choice. Bank has 337 ATMs besides our 16000 ATMs, available to the customers through shared network with the Bank.

To exploit the full potential of technology, centralization of various back office operations has been put in place. Your will be glad to know that today more than 70% of the identified back office activities have been centralised at 37 centres. This has led to productivity improvement and consequent release of manpower for more customer facing activities.

The emphasis of the Bank is to constantly reinvent itself. The changing paradigms of business have put us firmly in the cycle of learn-unleam and relearn. To assist us in our endeavours, we have been engaging the services of Boston Consulting Group. We have with their assistance undertaken an organization wide Business Process Reengineering exercise. Constant fine-tuning is now the order of the day. To implement the initiative across the country in letter and spirit some of our best officers have been relieved as 'Coaches' to oversee the implementation efforts and to do the handholding in the initial stages.

Our international operations continue to be the jewel in our crown. This year we entered into an agreement to acquire 76% stake in PT Bank Swadesi Tbk, a listed bank in Indonesia. With the opening of a representative office in Beijing in China and a branch in Antwerp, number of overseas offices stand at 25, spread over 13 countries. The Shenzhen representative office was upgraded to a full fledged branch and we are the only bank from India to have 2 offices in China. Your bank's International operations contribute 20% of total Bank's business. Bank is very aggressive in expanding its overseas presence and is holding approvals of RBI for setting up subsidiaries in Tanzania and Canada, branches in Dubai International Financial Centre and Dhaka, and Representative Offices in Johannesburg, Doha and Dubai.

Increasing competition and Globalization has led to severe strain on profitability as the margins are thinning like never before. Finding new sources of revenue generation therefore becomes a key imperative. Your bank's global treasury has started marketing derivative products, which are being well received by its clients and market alike. Syndication of loans is another area where your bank has been especially aggressive this year. Non fund based income is also being aggrandized through marketing of third party products, viz. mutual funds, insurance products etc.

In order to become a financial powerhouse, to exploit fully our brand value and also to deepen our relations with our customers, it is our endeavour to provide the entire gamut of financial services under one roof. To achieve this end we are entering in the filed of Life Insurance by forming a joint venture with Dai-Ichi Mutual Life Insurance Company, Japan (2nd largest life insurance company in Japan and 6th largest in the world) and Union Bank of India with a capital stake of 51%, 26% and 23% respectively. Bank also entered into a strategic alliance with Union Bank of India and Infrastructure Development Finance Company for loan syndication, International Business, Cash Management, cheque collection and training.

www.reportjunction.com

''रिश्तों की जमापूँजी'' हमारी दर्शन की विशिष्टता होने के कारण हमने इस वर्ष नेशनल स्वास्थ बीमा पॉलिसी शुरू की है जो हमारे ग्राहकों के लिए स्वास्थ्य बीमा का उत्पाद है और इस हेतु हमने नेशनल इन्श्योरेन्स कंपनी के साथ रणनीतिक गठबंधन किया है। पेंशनर्स क्रेडिट कार्ड एवं डाक विभाग के साथ तालमेल करके **पेंशनभोगियो को दरवाजे पर पेंशन** की सुपुर्दगी किया जाना ऐसे कुछ उपाय हैं जो हमने वरिष्ठ नागरिकों की भावना का सम्मान करने की दृष्टि से किए हैं ।

कोई भी संगठन विशेष रूप से हमारे जैसा एक सेवा संगठन अपने मानव संसाधान पर जीवंत रहता एवं उन्नति करता है । हमारे मानव संसाधन की प्रक्रिया, इसलिए, संपूर्ण रूप से हमारे मानव संसाधन के प्रबंधन के इर्द-गिर्द बनी रहती हैं । बैंक की अपने स्वयं की व्यापक तैनाती नीति, पदोन्नति नीति, प्रशिक्षण प्रणाली और प्रोत्साहन योजना है । कार्यनिष्पादन प्रबंधन व्यक्तियों की आंकाक्षाओं के संस्था के लक्ष्यों से सामंजस्य स्थापित कराने की कुंजी है और हम इस पक्ष पर अत्यधिक जोर दे रहे हैं । हमारे परामर्शी भी हमसे कार्यनिष्पादन प्रबंधन के लिए **संतुलित स्कोर कार्ड** के निर्धारित लक्ष्य की ओर ले जाने में हमारी मदद कर रहे हैं ।

हमारे बैंक का कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में गहरा विश्वास है इसलिए बैंक ने 128 गाँवों के संपूर्ण कायाकल्प हेतु एक योजना आरंभ की । भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर श्री वाय.वी. रेड्डी ने **'अभय'** ट्रस्ट के संरक्षण में मुंबई में पहले **ऋण परामर्श केंद्र** का शुभारंभ किया । यह केंद्र आम जनता को बिना किसी शुल्क के सेवाएं मुहैया कराता है।

सुदृढ़ कार्यनिष्पादन और अच्छी तरह निष्पादित परियोजनाओं की हमेशा प्रशंसा होती है और यह स्वाभाविक रूप से आपके बैंक को मिलती है । आपको यह यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपके बैंक को उक्त के योग्य पाया गया और निम्नानुसार अवार्ड प्राप्त हुए :

- बैंकिंग प्रौद्योगिकी में विकास और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने सूचना प्रणाली सुरक्षा नीतियों के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में पाया ।
- भारत सरकार ने वर्ष 2005-06 में अत्यंत लघु क्षेत्र में उधार देने में उत्कृष्टता हेतु बैंक को दूसरे स्थान पर पाया ।
- बैंक को सामाजिक प्रभाव हेतु डॉ. सी रंगराजन, अध्यक्ष प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद से स्कोच चेलेंजर अवार्ड-2007 भी प्राप्त हुआ ।

बैंक के संपूर्ण उच्चतम प्रबंधन की दूसरी सदी की तैयारी को लिपिबद्ध करने एवं आने वाले वर्षों में इसकी भूमिका को निरूपित करने हेतु पुणे में 2 दिन की बैठक हुई। बैंक को भारत का सर्वाधिक वांछनीय बैंक, विस्तृत भूमंडलीय उपस्थिति के साथ सर्वाधिक विश्वसनीय सेवा ब्रांड बनाने हेतु महत्वाकांक्षी अवलोकन तैयार किया गया।

आगे बढ़ते हुए, बैंक अपने ग्राहकोन्मुखी दृष्टिकोण पर मजबूती से संकेन्द्रित है। उत्पाद और सेवा सुपुर्दगी के सभी क्षेत्रों में उद्योग में श्रेष्ठता के साथ नियमित बेंचमार्किंग, नया कारोबार प्राप्त करने के लिए सड़कों पर सक्रिय बिक्री दल, ऊंची हैसियत वाले व्यक्तियों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने हेतु शाखाओं में संपर्की प्रबंधन, हमारे कारोबार मॉडल और सभी स्तरों पर गुणता संजीदगी को सपोर्ट करने के लिए सुदृढ़ तकनीकीगत आधार (रोबस्ट टेक्नॉलिजकल बेकबोन) आपके बैंक को अपने संवर्ग में सर्वोत्तम बनाए रखेंगे।

विगत की भाँति ही हम शेयरधारकों के मूल्य को बढ़ाने की कोशिश में अपनेआपको पुनर्समर्पित करते रहेंगे। हम ऐसा मानते हैं कि हम इस स्थिति में आपके सपोर्ट एवं प्रश्रय के बलबूते पहुँचे हैं। अपनी आगे की यात्रा में भी हम आपका सपोर्ट चाहते हैं जिससे हम एक उत्कृष्ट संस्थान रच सकें।

मंगलकामनाओं सहित,

दिनांक : 23.04.2007 **(एम. बालचंद्रन)**

With 'Relationships beyond Banking' being the leitmotif of our philosophy, we have this year launched 'National Swasthya Bima Policy', a health Insurance product for our customers under a strategic tie up with National Insurance Company. A pensioner's Credit Card and **Delivery of Pension at the doorsteps** of the pensioners in tie up with Department of Post, are some of the measures, we have taken to salute the spirit of Senior Citizens.

Any organization especially a service organization like ours survives and thrives on its human resources. Our human resources practices therefore revolve around managing our human assets in a holistic manner. The Bank has a comprehensive placement policy, promotion policy, training system and incentive scheme in place. Performance management is key to match the aspirations of the individuals with the goals of the organization and we are laying great emphasis on this aspect. Out consultants are also assisting us towards the avowed goal of **'balanced score card'** for performance management.

A strong believer in Corporate Social Responsibility, the Bank initiated a scheme for total transformation of 128 villages. Shri Y.V. Reddy, Governor Reserve Bank of India launched the 1st credit counseling Centre at Mumbai under the aegis of Trust **'ABHAY'.** The centre offers services free of cost to the members of public.

Strong performance and well-executed projects always bring accolades and these come naturally to your Bank. You will be glad to know that your Bank was adjudged and received the following awards:

- The Best Bank in the implementation of Information System Security Policies from Institute for Development & Research in Banking Technology (IDRBT) - Hyderabad.
- Govt. of India rated us the Second Best Bank for 'Excellence in lending to Tiny Sector' in 2005-06.
- Bank also received the Skoch Challenger Award - 2007 for Social Impact at the hands of Dr. C. Rangarajan, Chairman, Prime Minister's Economic Advisory Council.

The entire top management of the Bank met at Pune for two days to script the preparation for the 2nd century and to envision its role in the years to come. An ambitious vision has been drawn up to make it India's most preferred bank, the most trusted financial services brand with largest global presence.

Moving forward the Bank is firmly focused with its customer centric approach. Constant benchmarking with the best in its industry in all areas of product and service delivery, active 'feet on street' sales force for garnering fresh business, Relationship Managers for high networth individuals at the branches for deepening the relationships, robust technological backbone to support our business model and quality consciousness pervading at all level will continue to keep your bank 'the best in class'.

As in the past we rededicate ourselves in the quest of increasing stakeholders' value. In our onward journey, we will continue to be guided by the principles of Corporate Governance and ethics in business. We believe that we have reached this position because of your support and patronage. In our journey forward we solicit your support so that together we create an institution of excellence.

With Warm regards,

Date : 23.04.2007 **(M. Balachandran)**

www.reportjunction.com

बैंक ऑफ़ इंडिया
BANK OF INDIA

प्रधान कार्यालय : स्टार हाउस, सी-5, 'जी' ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला संकुल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051.

Head Office : Star House, C-5, 'G' Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयरधारकों की ग्यारहवीं वार्षिक आम बैठक मंगलवार दिनांक 10 जुलाई, 2007 को दोपहर 2.30 बजे बैंक ऑफ़ इंडिया ऑडिटोरियम, स्टार हाउस, बांद्रा-कुर्ला संकुल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी :

मद सं. 1: ''बैंक के तुलन-पत्र यथा दिनांक 31 मार्च, 2007 एवं दिनांक 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा, लेखा एवं लेखा परीक्षकों की तुलन पत्र और खातों पर रिपोर्ट की अवधि में बैंक की कार्यप्रणाली और कार्यकलापों के संबंध में निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर चर्चा करना, अनुमोदन देना और स्वीकार करना।

मद सं. **2** : वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए इक्विटी शेयरों पर अंतिम लाभांश की घोषणा करना।

के. आर. कामत

स्थान : मुंबई
दिनांक : 22.05.2007

(के. आर. कामत)
कार्यपालक निदेशक

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Eleventh Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of India will be held on Tuesday, 10th July, 2007 at 2.30 p.m. at Bank of India Auditorium, Star House, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400 051, to transact the following business:

Item No.1: To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2007, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2007, Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

Item No. 2.: To declare final Dividend on Equity Shares for the Financial year 2006-07

Place : Mumbai
Date : 22.05.2007

K. R. Kamath
Executive Director

www.reportjunction.com

टिप्पणियां :

1. परोक्षी की नियुक्ति

बैठक में भाग लेने तथा मतदान के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर भाग लेने तथा मतदान हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं। परोक्षी फार्म को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित फार्म उसमें निर्धारित स्थान पर वार्षिक आम बैठक के कम से कम 4 (चार) दिन पूर्व अर्थात गुरूवार 5 जुलाई, 2007 को या उससे पहले अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए.

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति

कोई भी व्यक्ति, जो किसी ऐसी कंपनी या अन्य किसी निकाय-कंपनी जो बैंक की शेयरधारक है, का विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि है, द्वारा आम बैठक के दिनांक से 4 (चार) दिन पहले अर्थात गुरूवार 5 जुलाई, 2007 को या उससे पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में, जिस बैठक में उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने का संकल्प पारित किया गया था, के अध्यक्ष द्वारा उक्त संकल्प की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि यदि प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उसे बैठक में उपस्थित रहने का, मत देने का अधिकार नहीं होगा.

3. लेखाबंदी

शेयर धारकों का रजिस्टर एवं बैंक का शेयर अंतरण रजिस्टर वार्षिक आम बैठक एवं लाभांश के भुगतान के लिए पात्रता अभिनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार 4, जुलाई 2007 से मंगलवार 10 जुलाई, 2007 (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेगा।

4. पते में परिवर्तन

जिन शेयरधारकों के पास शेयर डिमेट स्वरूप में हैं उन्हें अपने पते में यदि कोई परिवर्तन हो तो उसकी सूचना उनसे संबंधित सहभागी निक्षेपागार को देनी चाहिए। जिनके पास शेयर प्रत्यक्ष रूप में हैं, उन्हें अपने पते में परिवर्तन की सूचना बैंक के पंजीयक एवं शेयर अंतरण एजेंट को निम्नलिखित पते पर देनी चाहिए।

मेसर्स शेयरप्रो सर्विसेज (इंडिया) प्रा. लि. यूनिट : बैंक ऑफ़ इंडिया, साटम इस्टेस्ट, तीसरी मंजिल, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ऊपर, कार्डिनल ग्रेसियस रोड, चकाला, अंधेरी (पूर्व), **मुंबई - 400 099.**

टे.नं.: 2821 5168/69 ई-मेल : sharepro@vsnl.com

5. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेशपत्र

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेशपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयरधारकों / परोक्षियों / प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करें और बैठक स्थल पर उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेशपत्र सुपुर्द कर दें। शेयरधारक के परोक्षी / प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेशपत्र में परोक्षी अथवा प्रतिनिधि में से वह जिस रूप में उपस्थित हो रहे हों उसका उल्लेख कर देना चाहिए।

6. लाभांश का भुगतान

बोर्ड द्वारा संस्तुत अंतिम लाभांश, यदि आम बैठक में घोषित किया जाता है तो 6 अगस्त, 2007 तक उन शेयरधारकों को अदा किया जाएगा जिनके नाम बैंक के सदस्यों के रजिस्टर में पंजीकृत होंगे :

NOTES

1. APPOINTMENT OF PROXY

A shareholder entitled to attend and vote at the Annual General Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and vote on his/her behalf. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not later than 4(four) days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before the close of banking hours on Thursday, the 5th July, 2007.

2. APPOINTMENT OF AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of a Company or any other Body Corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the Resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed, shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than 4 (four) days before the Annual General Meeting i.e. on or before the close of banking hours on Thursday, the 5th July, 2007.

3. BOOK CLOSURE

The Register of the shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Wednesday, 4th July 2007 to Tuesday 10th July, 2007 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting and ascertainment of entitlement for payment of dividend.

4. CHANGE OF ADDRESS

Shareholders holding shares in dematerilised form should communicate the change of address, if any, to their Depository Participant. Share holders who hold shares in physical form should communicate the change of address to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address :

M/s. Sharepro Services (India) Pvt. Ltd., Unit: Bank of India Satam Estate, 3rd Floor, Above Bank of Baroda, Cardinal Gracious Road, Chakala, Andheri (East), **Mumbai – 400 099.**

Phone – 28215168/69 E-mail – sharepro@vsnl.com

5. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders/ Proxy holders/ representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance slip- cum-Entry pass at the venue. Proxy/Representative of a shareholder should state on the Attendance slip-cum-Entry pass "Proxy" or "Representative" as the case may be.

6. PAYMENT OF DIVIDEND

The final dividend, as recommended by the Board, if declared at the Annual General Meeting , will be paid on 6th August 2007 to those shareholders whose names stand registered on the Bank's Register of Members:

www.reportjunction.com

क) डिमेट स्वरूप में धारित शेयरों के मामले में उन हिताधिकारी स्वामियों को जिनका नाम 3 जुलाई, 2007 के कारोबार की समाप्ति तक बनी नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) और सेन्ट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लि. (सीडीएसएल) द्वारा प्रदत्त सूचियों में होगा।

ख) 3 जुलाई 2007 को या उससे पूर्व बैंक में दिए गए वैध शेयर अंतरण को प्रभावी करने के बाद बैंक के सदस्यों के रजिस्टर में उल्लिखित शेयरधारक के रूप में।

ऐसे शेयरधारकों को अंतिम लाभांश डाक से भेजा जाएगा या बैंक द्वारा शेयर अंतरण एजेंट अर्थात् में./शेयर प्रो. सर्विसेज (इंडिया) प्रा.लि. के माध्यम से ईसीएस द्वारा खाते में 6 अगस्त, 2007 को या उससे पूर्व जमा किया जाएगा।

7. अदावाकृत लाभांश यदि कोई हो

वे शेयरधारक जिन्होंने अपने लाभांश, वारंट अभी तक नहीं भुनाए हैं या उन्हें पहले की अवधि के कोई वारंट अभी तक नहीं मिले हैं तो उनसे अनुरोध है कि वे वारंट की अनुलिपि जारी करने के लिए अंतरण एजेंट से संपर्क करें।

बैंकिंग कंपनी (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का अंतरण) अधिनियम, 1970 की नई धारा 10 बी के अनुसार लाभांश की सात वर्ष तक अदत्त राशि या अदावाकृत राशि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205-सी के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा गठित इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में अंतरित करना होती है और इसलिए इसके भुगतान को कोई दावा बैंक पर या आई ई पी एफ पर नहीं रहेगा।

a) as Beneficial Owners as at the end of business hours on 3rd July 2007 as per the list to be furnished by National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) in respect of shares held in dematerialised form.

b) as Shareholders in the Register of Members of the Bank after giving effect to valid share transfers lodged with the Bank, on or before 3rd July 2007.

The final dividend warrants to such shareholders would be mailed or ECS credits will be given by the Bank through the Share Transfer Agent, viz., M/s Sharepro Services (I) Pvt. Ltd. on or before 6th August, 2007.

7. UNCLAIMED DIVIDEND IF ANY

The shareholders who have not encashed their Dividend Warrants / received for previous periods if any are requested to contact the Share Transfer Agent of the Bank for issue of duplicate.

As per the new Section 10B of the Banking Companies (Acquisitions and Transfer of Undertakings) Act, 1970 , the amount of dividend remaining unpaid or unclaimed for a period of seven years is required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established by the Central Govt. under Section 205C of the Companies Act, 1956, and thereafter no claim for payment shall lie in respect thereof either on the Bank or on IEPF.

www.reportjunction.com

निदेशक रिपोर्ट

31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मण्डल, अंकेक्षित लेखा विवरण और नकदी प्रवाह विवरण सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करते हैं।

कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें :

वित्तीय पैरामीटर्स

- परिचालनगत लाभ रु. 2395 करोड़
- सर्वाधिक शुद्ध लाभ रु. 1123 करोड़ गत वर्ष की तुलना में 60% की वृद्धि दर्ज की गई
- पूँजी पर्याप्तता अनुपात 11.58% जबकि गत वर्ष 10.75% का स्तर था
- शुद्ध सम्पत्ति रु. 5504 करोड़ अर्थात् 20.25% से वृद्धि मार्च 2006 की तुलना में
- बही मूल्य रु. 112.75 (20% से अधिक की वृद्धि)
- सकल एनपीए में रु. 379 करोड़ की कमी (15.27%) मार्च 2006 की समाप्ति पर सकल एनपीए अनुपात 3.72% से घटकर 2.42% हुआ।
- शुद्ध एनपीए में 338 करोड़ (35%) की कमी 31.03.2007 की समाप्ति पर शुद्ध एनपीए अनुपात घटकर 0.74% हो गया है जबकि यह 31.03.2006 को 1.49% था।
- एनपीए के अन्तर्गत नकद वसूली रु. 752 करोड़ रही।
- बैंक का कुल कारोबार 2 लाख करोड़ को पार कर रु. 206673 पर जा पहुँचा. इस प्रकार इसमें रु. 46079 करोड़ (29%) की वृद्धि दर्ज हुई. देशीय कारोबार में 25% की वृद्धि हुई और यह रु. 164555 करोड़ के स्तर पर पहुँच गया।
- बैंक की कुल जमाराशियां बढ़कर रु. 25950 करोड़ की वृद्धि के बाद रु. 119882 करोड़ हो गईं अर्थात् 27.6% की वृद्धि। स्वदेशी जमाराशियाँ में 21.7% की वृद्धि हुई और ये रु. 94,744 करोड़ तक पहुँच गई। स्वदेशी जमाओं में कम लागत वाली जमाओं का हिस्सा वर्ष 2006-07 के दौरान 40% है।
- बैंक के कुल सकल ऋण रु. 86,791 करोड़ तक पहुँच गए (30.2% की वृद्धि) जिसमें स्वदेशी ऋण में 29.2% की वृद्धि दर्ज की गई और यह रु. 69,811 करोड़ के स्तर पर पहुँच गए।
- खुदरा ऋण मं 35% की वृद्धि हुई और वित्तीय वर्ष 2007 में कुल खाद्येतर ऋण में इस ऋण का हिस्सा 29% है।
- शुद्ध समायोजित बैंक ऋण का 45.53% भाग प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र उधार का रहा और शुद्ध समायोजित बैंक ऋण में कृषि ऋण का 18.51% था।
- निर्यात ऋण में रु. 871 करोड़ अर्थात् 20% की वृद्धि दर्ज हुई।

नए उत्पाद एवं सेवाएं

- मुंबई, वर्धा और चैन्ने में ''अभय'' ऋण परामर्श सेवाएं शुरू की गई।
- बैंक ऑफ़ इंडिया पेंशनर्स कार्ड और पेंशन की डोर डिलीवरी शुरू की गई।
- बीओआई सामान्य क्रेडिट कार्ड, एक सामान्य उद्देश्य क्रेडिट कार्ड भी शुरू किया गया जो वित्तीय समावेशन की सहायतार्थ गरीब किसानों, कारीगरों आदि को ऋण की एक श्रृंखला प्रस्तावित करता है।
- गल्फ ग्राहकों में एनआरआई ग्राहकों हेतु स्पीड धनप्रेषण सुविधा शुरू की गई।
- वीसा और मास्टर कार्ड के नेटवर्क के अतिरिक्त शेयर्ड एटीएम के नेटवर्क का जरिए ग्राहकों को लगभग 12500 एटीएम उपलब्ध कराए।

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting the Bank's Annual Report along with the audited statement of accounts and the cash flow statement for the year ended 31st March 2007.

PERFORMANCE HIGHLIGHTS

FINANCIAL PARAMETERS

- Operating profit Rs.2395 crore.
- All time high Net Profit of Rs.1123 crore recording a 60% growth over the previous year.
- Capital Adequacy increased to 11.58% from the previous year level of 10.75%.
- Net Worth at Rs. 5504 crore, grew by 20.25% over March 2006.
- Book value Rs.112.75 (Increase of over 20%).
- Gross NPA declined by Rs.379 crore (15.27%). Gross NPA ratio declined to 2.42% from 3.72% at March-end 2006.
- Net NPA declined by Rs.338 crore (35%). Net NPA ratio declined to 0.74% as at 31.03.2007 as against 1.49% as on 31.3.2006.
- Cash Recovery under NPA of Rs.752 crore.
- Total business of the Bank crossed 2 lakh crore mark at Rs. 206673 crore recording a growth of Rs. 46079 crore (29%). Domestic business grew by 25% to reach the level of Rs. 164555 crore.
- Total deposits of the Bank increased to Rs. 119882 crore by Rs.25950 crore, a growth of 27.6%. Domestic deposits increased by 21.7% to reach the level of Rs.94,744 crore. Share of low cost deposits in domestic deposits is 40% during 2006-07 .
- Total gross credit of the Bank touched Rs.86,791 crore (growth 30.2%) with domestic credit recording a growth of 29.2% to reach the level of Rs.69,811crore.
- Retail Credit grew by 35% constituting 29% of incremental non-food credit growth in FY 2007.
- Priority sector lending constituted 45.53% of Net Adjusted Bank Credit and the share of Agricultural Credit to Net Adjusted Bank Credit was 18.51%.
- Export Credit registered a rise of Rs.871 crore i.e. 20% growth.

NEW PRODUCTS & SERVICES

- 'Abhay' Credit Counselling Services introduced at Mumbai, Wardha & Chennai.
- Bank of India Pensioners' Card and door delivery of pension introduced.
- Also, BOI Samanya Credit Card, a general purpose Credit Card offering a line of credit to the poor farmers, artisans, etc. to help financial inclusion introduced.
- Speed Remittance facility introduced for NRI customers in Gulf countries.
- About 12500 ATMs made available to customers through shared ATMs network, besides the network of ATMs of VISA and Master Card.

www.reportjunction.com

- 1044 शाखाओं में कोर बैंकिंग सोल्यूशन लागू किया गया।
- 1044 शाखाओं को आरटीजीएस/एसएफएमएस से युक्त किया गया।
- आन लाइन कर लेखा पद्धति (ओएलटीएएस) के लिए 515 शाखाओं को सक्षम बनाया गया।
- मैसर्स असित सी. मेहता एण्ड कं.लि., एक प्रतिष्ठित शेयर ब्रोंकिंग कं. जो बीएसई और एनएसई की सदस्य है, के साथ मुंबई में आन लाइन शेयर ट्रेडिंग सेवाओं का सूत्रपात किया गया।
- कारोबार प्रक्रिया पुनर्रचना की एक पहल के रूप में उच्च-हैसियत वाले ग्राहकों हेतु प्रयुक्त हो रहे अतिरिक्त सुविधाओं वाले बचत और चालू जमा उत्पादों को सभी बड़े शहरी और महानगरीय केन्द्रों तक विस्तारित किया गया।

कारोबार पहल

- ऋण सिंडीकेशन, अन्तर्राष्ट्रीय कारोबार, रोकड़ प्रबंधन, चेक वसूली तथा प्रशिक्षण सुविधाओं हेतु यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया और आईडीएफसी के साथ एक स्ट्रैटेजिक अलायंस किया गया।
- डाईलची म्युचुअल लाईफ इंश्योरेंस कं. और यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ एक संयुक्त उपक्रम स्थापनार्थ व्यवस्था की गई।
- अन्तर्राष्ट्रीय परिचालनों में प्रमुख पहल में अंतरेप (बेलजियम) में शाखाओं का खोला जाना और शैनजेन (चीन) में प्रतिनिधि कार्यालय का एक शाखा के रूप में उन्नयन किया जाना शामिल है।
- अपनी अन्तर्राष्ट्रीय उपस्थिति में बढ़त दर्ज कराने के उद्देश्य से पीटी बैंक स्वदेशी टीबीके, इण्डोनेशिया का एक सूचीबद्ध बैंक में 76% हिस्सेदारी प्राप्त करने के कार्य को बैंक ने अंतिम रूप दे दिया है।
- दोहा, कतार में अलमाना एक्सचेंज हाऊस के प्रबंधन का अधिग्रहण किया गया और गल्फ देशों में एक्सचेंज हाऊस के जरिए इण्टरनैट आधारित स्पीड धनप्रेषण सुविधा के द्वारा एनआरआईज द्वारा भारत में धनप्रेषण को सुविधाजनक बनाने हेतु रुपया आहरण व्यवस्थाओं को कार्यान्वित किया गया। अफगानिस्तान में एनआरआईज के लिए धनप्रेषण सुविधाओं का तालमेल काबुल, अफगानिस्तान में बैंक अजीजी के साथ किया गया।

वित्तीय समीक्षा

2006-2007 में समग्र आर्थिक पहलुओं सहित जबरदस्त वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर हुई। कृषि में उतार-चढ़ाव वृद्धि के लक्षण जारी रहे, सेवा क्षेत्र में सशक्त वृद्धि बनी रही और औद्योगिक मोर्चे पर निरंतर सुधार के विशिष्ट लक्षण दृष्टिगोचर हुए।

वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप 2006-2007 में वित्तीय बाजार सामान्यतया अस्थिर बन रहे। उच्च मुद्रास्फीति की आशाओं के कारण ब्याज दरों में दृढ़ता का दौर बना रहा जिसके फलस्वरूप ऋण के विनियोजन की तुलना में जमाओं में धीमी वृद्धि हुई। इस करण ऋण एवं जमा वृद्धि दरों में कोई तालमेल नहीं बन सका।

मार्च 2007 की स्थिति के अनुसार कुल बैंक ऋण में 28% (रु. 4,10,285 करोड़) की शानदार वृद्धि हुई जिसमें खाद्येतर ऋण अग्रणी रहे। एससीबीज द्वारा सृजित जमाओं में वर्षानुवर्ष आधार पर 23% की वृद्धि दर्ज हुई। इसी अवधि के दौरान, समय जमाओं में 16% की वृद्धि हुई जबकि मांग जमाओं में वृद्धि 24.5% थी। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी ऋण वृद्धि ने जमावृद्धि को पीछे छोड़ दिया।

वर्ष के दौरान भारत में पूँजी प्रवाह सशक्त बने रहे। विदेशी निवेश प्रवाह में हुई बढ़त के फलस्वरूप देशीय पूँजी बाजारों में तेजी का दौर बना रहा। 14 जून 2006 को बीएसई सेंसेक्स 8,929 के छोटे स्तर से 09 फरवरी, 2007 को 14724 तक जा पहुँचा। 26 व्यापार सत्रों में 13000 से 14000 तक के स्तर की टैली सैंसेक्स के लिए 1000 पॉइंट्स की सबसे तेज गति थी। पूंजी बाजार में आई शानदार उछाल ढाँचागत मोर्चे पर हुई सुदृढ़ प्रगति का भी परिणाम रही।

बैंक ने आर्थिक वृद्धि में सशक्त प्रगति का लाभ उठाया और सभी क्षेत्रों ऋण का विस्तार किया जिसमें प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र और खुदरा क्षेत्र भी शामिल हैं। ढाँचागत क्षेत्र में भी

- Core Banking Solution implemented in 1044 branches.
- RTGS/SFMS enabled in 1044 branches.
- 515 branches enabled for On-line Tax Accounting System (OLTAS).
- On line Share Trading Services unveiled at Mumbai in association with M/s. Asit C. Mehta & Co. Ltd., a reputed Share Broking Co. having membership with BSE & NSE.
- Value added Savings and Current deposit products for high-end customers extended to all major urban and metro centres as a part of Business Process Re-engineering initiative.

BUSINESS INITIATIVES

- Strategic Alliance entered into with Union Bank of India & IDFC for loan syndication, International business, Cash Management, Cheque Collection & Training facilities.
- Memorandum of Understanding entered into for setting up a Life Insurance joint venture with Dai-Ichi Mutual Life Insurance Co. and Union Bank of India.
- Major initiatives in international operations included opening of branch at Antwerp (Belgium) a Representative office at Beijing & upgradation of the Representative Office at Shenzen (China) into a branch.
- Bank has finalised acquiring of 76% stake in PT Bank Swadeshi Tbk, a listed bank in Indonesia in order to boost its international presence.
- Taken over management of Almana Exchange House at Doha, Qatar, and Rupee drawing arrangements operationalized for facilitating remittances to India by NRIs in the Gulf Countries, through internet based speed remittance facility through the Exchange House. Remittance arrangements also tied up through Bank Azizi in Kabul, Afghanistan for NRIs in Afghanistan.

FINANCIAL REVIEW

Vigorous growth with strong macro economic fundamentals characterised development of Indian economy in 2006-07. While the up and down growth pattern in agriculture continued, services sector maintained its strong growth and there were distinct signs of sustained improvement on the Industrial front.

Financial markets remained generally unstable during 2006-07 in line with global trends. The interest rates firmed up due to higher inflationary expectations resulting in slower growth in deposits compared to deployment of credit, causing a mismatch in the credit & deposit growth rates.

As on March, 2007, non-food credit grew by a robust 28% (Rs.4,10,285 crore), whereas Deposits SCBs marked a year on year growth of 23%. during the same period, Time deposits grew by 24.5% while the growth in demand deposits was 16%. As in the previous year, this year too, credit growth outpaced deposit growth.

Capital inflows into India remained strong during the year. The buoyancy of foreign investment flows led to bullish sentiment in the domestic capital markets. The BSE sensex rallied from a low of 8,929 on June 14, 2006 to a high of 14724 on February 9, 2007. The rally from 13000 mark to the 14000 mark in 26 trading sessions was the fastest ever climb of 1000 points for the sensex. The upbeat mood of the capital markets was also a result of steady progress made on the infrastructure front.

The Bank took advantage of the buoyancy in economic growth and expanded credit in all segments including priority sector and retail. The Bank increased its share in infrastructure sector and added new clientele

www.reportjunction.com

बैंक ने अपने हिस्से का विस्तार किया और कॉरपोरेट वित्त तथा निर्यात वित्त के क्षेत्रों में नया ग्राहकवर्ग बनाया। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप कृषि में भी ऋण प्रवाह में सुधार आया। कम लागत की जमाओं के संग्रहण पर जोर देना जारी रहा।

वर्ष 2006-07 हेतु बैंक का वित्तीय कार्यनिष्पादन संक्षेप में नीचे दिया गया है:-

(धनराशि रुपए करोड़ में)

in the areas of corporate finance and export finance. The credit flow to agriculture also improved in conformity with Government guidelines. Thrust on mobilisation of low cost deposits continued.

The Financial performance of the Bank for the year 2006-07 is summarised below:-

(Amount in Rs. crore)

		2005-06	2006-07	वृद्धि(%) Growth(%)
शुद्ध ब्याज आय	Net Interest Income	2631.98	3440.47	30.72
गैर-ब्याज आय	Non-Interest Income	1184.38	1562.95	31.96
परिचालनगत व्यय	Operating Expenses	2115.14	2608.43	23.32
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	1701.22	2394.99	40.78
प्रावधान/आकस्मिकताएं	Provisions / Contingencies	999.78	1271.82	27.21
शुद्ध लाभ	Net Profit	701.44	1123.17	60.12
औसत शुद्ध हैसियत पर प्रतिफल (%)	Return on Average Networth (%)	16.28	22.28	36.86
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (%)	Return on Average Assets (%)	0.68	0.88	29.41
अर्जन प्रति शेयर (रु.)	Earnings per share (Rs.)	14.39	23.04	60.11
बही मूल्य प्रति शेयर (रु.)	Book-value per share (Rs.)	93.77	112.75	20.24

बैंक का परिचालनगत लाभ रु. 2394.99 करोड़ था अर्थात 40.78%. की वृद्धि शुद्ध लाभ रु. 701 करोड़ से बढ़कर रु. 1123.17 करोड़ हो गया जिसमें 60.12%. की वृद्धि दर्ज की गई।

गत वर्ष की तुलना में शुद्ध ब्याज आय में 30.72%. का सुधार हुआ।

वर्ष के दौरान बैंक की गैर-ब्याज आय रु. 1562.95 करोड़ थी। अर्थात् 31.96%. की वृद्धि जो कुल आय का 14.55% है.

महत्वपूर्ण उपलब्धि, लागत एवं अन्य वित्तीय अनुपात निम्नानुसार हैं :-

The Bank recorded an operating profit of Rs.2394.99 crore, growth of 40.78%. Net Profit increased to Rs.1123.17 crore from Rs.701 crore recording an increase of 60.12%.

Net interest income showed an improvement of 30.72% over previous year.

Non interest income of the Bank during the year was at Rs.1562.95 crore, growth of 31.96% constituting 14.55% of total Income.

The important yield, cost and other financial ratios are as under:

महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात

(प्रतिशत)

	2005-06	2006-07
अग्रिमों से लब्धि	7.58	8.52
निवेशो से लब्धि	7.15	7.31
निधियों से लब्धि	7.40	7.89
जमाराशियों की लागत	4.05	4.31
निधियों की लागत (परिशोधन व्यय छोड़कर)	4.37	4.69
निवल ब्याज अंतर	3.03	3.20
औसत आस्तियों में अन्य आय	1.14	1.23
औसत आस्तियों में परिचालन लागत	2.04	2.05
औसत आस्तियों में स्टाफ लागत	1.28	1.27
औसत आस्तियों में अन्य परिचालन लागत	0.76	0.78
आस्ति उपयोग अनुपात	1.64	1.89
कुल आय में गैर-ब्याज आय	14.42	14.55
शुद्ध आय में गैर-ब्याज आय	31.03	31.24
शुद्ध आय के प्रति लागत	55.42	52.13

Important Financial Ratios :

(Percentages)

	2005-06	2006-07
Yield on Advances	7.58	8.52
Yield on Investments	7.15	7.31
Yield on funds	7.40	7.89
Cost of Deposits	4.05	4.31
Cost of Funds (Excluding amortisation expenses)	4.37	4.69
Net Interest Margin	3.03	3.20
Other Income to Average Assets	1.14	1.23
Operating cost to Average Assets	2.04	2.05
Staff cost to Average Assets	1.28	1.27
Other operating cost to Average Assets	0.76	0.78
Asset Utilisation Ratio	1.64	1.89
Non-Interest Income to total Income	14.42	14.55
Non-Interest Income to Net Income	31.03	31.24
Cost to Net Income	55.42	52.13

www.reportjunction.com